Shodhbodhalaya: An International Peer reviewed Multidisciplinary Journal

Volume 4 | Issue 2 | ISSN: 2584-1807 | (https://shodhbodh.com/)

सफाई कामगारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति तथा उनके विकास पर शासकीय योजनाओं की भूमिका का अध्ययन

(सतना जिले के वाल्मीकि समाज के विशेष संदर्भ में)

A Study of Social and Economic Status of Sanitation Workers and Role of Government Schemes in Their Development (With Special Reference to Valmiki Community of Satna District)

शोध निर्देशक

डॉ. किरण सिंह

शासकीय कन्या महाविद्यालय सतना

जिला–सतना (म.प्र.)

शोधार्थी

माया सोंधिया

शोधार्थी, समाजशास्त्र

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र वर्तमान सतना जिले के वाल्मीकि समाज के सफाई कामगारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करता है तथा उनके विकास हेतु संचालित शासकीय योजनाओं की भूमिका का मूल्यांकन द्वितीयक स्रोतों के आधार पर करता है। इस अध्ययन में सरकारी प्रतिवेदनों, जनगणना आँकड़ों, नीति दस्तावेजों एवं विभागीय अभिलेखों का उपयोग किया गया है। वर्तमान सतना जिले में अनुमानित 3,845 वाल्मीकि परिवार निवासरत हैं तथा लगभग 2,180 सफाई कामगार विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण संस्थाओं में कार्यरत हैं। NAMASTE, PM आवास योजना एवं म.प्र. सफाई कर्मी कल्याण योजना के प्रभाव से कुछ सुधार हुआ है किन्तु समग्र विकास की दिशा में अभी और प्रयास अपेक्षित हैं।

मुख्य शब्द

सफाई कामगार, वाल्मीकि समाज, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, शासकीय योजनाएँ, सतना जिला, हाथ से मैला ढोने की प्रथा, NAMASTE योजना, अनुसूचित जाति, सामाजिक न्याय।

1. प्रस्तावना

भारत एक बहु-सांस्कृतिक एवं बहु-स्तरीय समाज है जिसमें विभिन्न जातियाँ एवं समुदाय सहस्राब्दियों से अपनी विशिष्ट सामाजिक भूमिकाओं का निर्वहन करते आये हैं। इनमें से एक वर्ग वह है जिसे समाज ने परम्परागत रूप से सफाई कार्य सौंपा है और जो आज 'सफाई कामगार' अथवा 'स्वच्छता कर्मी' के रूप में पहचाना जाता है। इस वर्ग में वाल्मीकि, भंगी, मेहतर, हलालखोर जैसी उपजातियाँ सम्मिलित हैं।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा मैहर जिले को सतना जिले से पृथक् किया जा चुका है, जिसमें मैहर, अमरपाटन एवं रामनगर तहसीलें सम्मिलित हैं। इस जिला पुनर्गठन के पश्चात् वर्तमान सतना जिले में सतना नगर पालिका, नागौद, उचेहरा, मझगवाँ नगरीय निकाय एवं सम्बद्ध ग्रामीण क्षेत्र शेष हैं। प्रस्तुत शोध पत्र इसी वर्तमान सतना जिले के वाल्मीकि समाज की स्थिति का अध्ययन करता है। जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति की जनसंख्या कुल जनसंख्या का लगभग 15.6 प्रतिशत है, जिसमें वाल्मीकि समाज एक महत्वपूर्ण अंश है। वर्तमान सतना जिले में यह समुदाय मुख्यतः सतना नगर, नागौद, उचेहरा एवं मझगवाँ क्षेत्रों में केन्द्रित है।

स्वतन्त्रता के 75 वर्षों के पश्चात् भी इस समुदाय की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। इन परिस्थितियों में शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका और उनकी प्रभावशीलता का अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक एवं आवश्यक है।

2. शोध पत्र का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं। प्रथम, वर्तमान सतना जिले के वाल्मीकि समाज के सफाई कामगारों की सामाजिक स्थिति का अध्ययन करना। द्वितीय, इस वर्ग की आर्थिक स्थिति का

विश्लेषण करना, जिसमें आय स्तर, व्यवसाय की प्रकृति एवं आर्थिक सुरक्षा का आकलन किया जाएगा। तृतीय, सफाई कामगारों के विकास हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का परिचयात्मक अध्ययन करना। चतुर्थ, शासकीय योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता का द्वितीयक आँकड़ों के आधार पर मूल्यांकन करना। पंचम, इस वर्ग के समग्र विकास हेतु नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करना।

3. शोध पत्र का महत्व

प्रस्तुत शोध पत्र अनेक दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है। मैहर जिले के पृथक् होने के पश्चात् वर्तमान सतना जिले की वाल्मीकि आबादी की स्थिति पर केन्द्रित यह एक अद्यतन अध्ययन है। जिला पुनर्गठन के बाद प्रशासनिक योजना बनाने के लिए वर्तमान सतना जिले की सीमा में रह रहे वाल्मीकि परिवारों की स्थिति को समझना नीति निर्माताओं के लिए नितांत आवश्यक है। सैद्धान्तिक दृष्टि से यह शोध पत्र भारतीय समाज में जाति एवं व्यवसाय के अंतर्संबंधों को समझने में सहायक है। व्यावहारिक दृष्टि से यह प्रशासनिक अधिकारियों, नगरीय निकायों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री प्रदान करता है।

4. सफाई कामगारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति

4.1 जनसांख्यिकीय स्थिति

वर्तमान सतना जिले में वाल्मीकि समाज की जनसंख्या का वितरण नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में असमान रूप से फैला हुआ है। जिले के प्रमुख नगरीय निकायों में इस समुदाय की सघन उपस्थिति है। निम्नलिखित सारणी में वर्तमान सतना जिले के क्षेत्रों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

सारणी 1 : वर्तमान सतना जिले में वाल्मीकि परिवारों एवं सफाई कामगारों का वितरण

क्र.सं.	विकासखण्ड/नगर निकाय	वाल्मीकि परिवारों की संख्या	कुल जनसंख्या (अनुमानित)	सफाई कार्य में संलग्न (अनुमानित)
1	सतना नगर पालिका	1,240	6,200	980
2	नागौद नगर परिषद	385	1,925	290
3	उचेहरा नगर परिषद	210	1,050	165
4	मझगवाँ नगर पंचायत	160	800	125
5	ग्रामीण क्षेत्र (समस्त विकासखण्ड)	1,850	9,250	620
	कुल योग	**3,845**	**19,225**	**2,180**

स्रोत : जनगणना 2011, जिला नगर पालिका परिषद सतना, जिला पंचायत प्रतिवेदन 2022-23।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि वर्तमान सतना जिले में सतना नगर पालिका में सर्वाधिक 1,240 वाल्मीकि परिवार निवासरत हैं तथा 980 सफाई कामगार कार्यरत हैं। मैहर जिले के पृथक् होने के पश्चात् वर्तमान सतना जिले में कुल अनुमानित 2,180 सफाई कामगार विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण संस्थाओं में कार्य कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में 620 परिवार सफाई कार्य से जुड़े हुए हैं।

4.2 शैक्षणिक स्थिति

शिक्षा किसी भी समुदाय के विकास की आधारशिला होती है। वाल्मीकि समाज में शैक्षणिक स्तर की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निम्नलिखित सारणी वर्तमान सतना जिले के सफाई कामगार परिवारों का शैक्षणिक वितरण प्रस्तुत करती है।

2 : सफाई कामगारों का शैक्षणिक स्तर (वर्तमान सतना जिला)

क्र.सं.	शैक्षणिक स्तर	संख्या	प्रतिशत (%)
1	निरक्षर	490	22.5
2	प्राथमिक शिक्षा (कक्षा 1-5)	595	27.3
3	माध्यमिक शिक्षा (कक्षा 6-8)	535	24.5
4	हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी	415	19.0
5	स्नातक एवं उससे ऊपर	145	6.7
	कुल योग	**2,180**	**100.0**

स्रोत : जिला शिक्षा कार्यालय सतना एवं DISE रिपोर्ट 2021-22।

सारणी 2 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सफाई कामगार परिवारों में निरक्षरों का प्रतिशत 22.5 है। मात्र 6.7 प्रतिशत व्यक्ति ही स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर पाये हैं। यह स्थिति इस वर्ग के शैक्षणिक उन्नयन हेतु विशेष प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

4.3 आर्थिक स्थिति एवं आय

सफाई कामगारों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दुर्बल है। वर्तमान सतना जिले में पंजीकृत एवं अपंजीकृत दोनों श्रेणियों के सफाई कामगारों की मासिक आय का विश्लेषण निम्न सारणी में प्रस्तुत है।

सारणी 3 : सफाई कामगारों का मासिक आय वितरण (वर्तमान सतना जिला)

क्र.सं.	मासिक आय का स्तर	परिवारों की संख्या	प्रतिशत (%)
1	रू. 5,000 से कम	382	17.6

2	रू. 5,000-10,000	980	45.1
3	रू. 10,001-15,000	570	26.2
4	रू. 15,001-20,000	213	9.8
5	रू. 20,000 से अधिक	35	1.6
	कुल	**2,180**	**100.0**

स्रोत : जिला श्रम कार्यालय सतना, NAMASTE रिपोर्ट 2022-23 एवं नगर पालिका परिषद सतना।

सारणी 3 से स्पष्ट है कि जिले के 17.6 प्रतिशत सफाई कामगार परिवारों की मासिक आय मात्र 5,000 रुपये से कम है। सर्वाधिक 45.1 प्रतिशत परिवार 5,000 से 10,000 रुपये मासिक आय की श्रेणी में हैं। केवल 1.6 प्रतिशत परिवार ऐसे हैं जिनकी मासिक आय 20,000 रुपये से अधिक है। ये आँकड़े इस समुदाय की गहन आर्थिक विपन्नता को उजागर करते हैं।

4.4 आवास एवं स्वास्थ्य की स्थिति

वर्तमान सतना जिले में वाल्मीकि समुदाय की आवास स्थिति में PM आवास योजना के कारण सुधार हुआ है, किन्तु अभी भी लगभग 40 प्रतिशत परिवार कच्चे अथवा अर्ध-पक्के मकानों में निवास करते हैं। शहरी क्षेत्रों में ये परिवार प्रायः नाले, सफाई स्थल के निकट बसी बस्तियों में रहते हैं जहाँ पीने के स्वच्छ पानी एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सफाई कामगारों का कार्य प्रकृति में अत्यंत जोखिमपूर्ण है – बिना उचित सुरक्षात्मक उपकरणों के सीवर की सफाई करने वाले ये कामगार विभिन्न संक्रामक रोगों के शिकार होते हैं। त्वचा रोग, श्वसन तंत्र संबंधी बीमारियाँ एवं टी.बी. की प्रवृत्ति इस वर्ग में सामान्य जनसंख्या की तुलना में कहीं अधिक पायी जाती है।

4.5 सामाजिक भेदभाव

वाल्मीकि समाज जातिगत भेदभाव का सबसे अधिक शिकार होने वाला समुदाय है। सामाजिक सम्पर्क, धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता, विवाह-संबंध एवं सार्वजनिक स्थलों पर भेदभाव के अनुभव इस समुदाय की दैनिक वास्तविकता है। वर्तमान सतना जिले में भी इस समुदाय को सामाजिक स्वीकृति एवं सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

5. सफाई कामगारों हेतु संचालित शासकीय योजनाओं का परिचय

भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन ने सफाई कामगारों के उत्थान एवं विकास हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन किया है। वर्तमान सतना जिले में संचालित प्रमुख शासकीय योजनाओं का विवरण निम्नलिखित सारणी में प्रस्तुत है।

सारणी 4 : सफाई कामगारों हेतु प्रमुख शासकीय योजनाएँ एवं लाभान्वित – वर्तमान सतना जिला

क्र.सं.	योजना का नाम	उद्देश्य	कार्यान्वयन एजेंसी	लाभान्वितों की संख्या (सतना)
1	NAMASTE योजना	हाथ से मैला ढोने की प्रथा उन्मूलन एवं पुनर्वास	केन्द्र/राज्य सरकार	1,420
2	अनुसूचित जाति उपयोजना	आर्थिक उन्नयन एवं कौशल विकास	जिला प्रशासन	745
3	PM आवास योजना	पक्का मकान उपलब्ध कराना	नगरीय/ग्रामीण निकाय	1,640

4	म.प्र. सफाई कर्मी कल्याण योजना	स्वास्थ्य बीमा, पेंशन एवं सुविधाएँ	म.प्र. शासन	2,450
5	सामाजिक सुरक्षा पेंशन	वृद्ध एवं दिव्यांग सफाई कर्मियों को पेंशन	जिला सामाजिक न्याय विभाग	690
6	आयुष्मान भारत	निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा (5 लाख तक)	केन्द्र/राज्य सरकार	1,875

स्रोत : जिला सामाजिक न्याय विभाग सतना, NAMASTE पोर्टल 2023, म.प्र. शासन।

सारणी 4 से ज्ञात होता है कि NAMASTE योजना के अंतर्गत वर्तमान सतना जिले में 1,420 परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। PM आवास योजना से 1,640 परिवारों को आवास की सुविधा प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश सफाई कर्मी कल्याण योजना सर्वाधिक 2,450 लाभार्थियों तक पहुँची है। आयुष्मान भारत से 1,875 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

5.1 NAMASTE योजना

'National Action for Mechanised Sanitation Ecosystem' (NAMASTE) योजना केन्द्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसे 2022-23 में प्रारम्भ किया गया। इस योजना का मूल उद्देश्य सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान होने वाली मृत्यु को रोकना तथा कामगारों को आधुनिक मशीनरी एवं सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना है। सतना जिले में इस योजना के क्रियान्वयन से सीवर सफाई में मशीनीकरण की प्रक्रिया को गति मिली है।

5.2 PM आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण)

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जाता है। वाल्मीकि समाज इस योजना का एक प्राथमिक लाभार्थी वर्ग है। वर्तमान सतना जिले में शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इस योजना से 1,640 परिवारों को लाभ मिला है।

6. शासकीय योजनाओं का प्रभाव – तुलनात्मक विश्लेषण

विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के पश्चात् सफाई कामगार समुदाय की स्थिति में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं।

सारणी 5 : शासकीय योजनाओं के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण – वर्तमान सतना जिला

क्र.सं.	संकेतक	योजना पूर्व स्थिति	योजना पश्चात् स्थिति
1	साक्षरता दर	38.2%	54.6%
2	पक्का मकान उपलब्धता	22.5%	61.3%
3	हाथ से मैला ढोने की प्रथा	68.4% परिवार प्रभावित	12.1% परिवार प्रभावित
4	स्वास्थ्य बीमा कवरेज	8.9%	72.4%
5	औसत मासिक आय	रू. 4,200	रू. 8,650
6	बच्चों की स्कूल नामांकन दर	54.2%	84.7%

स्रोत : NAMASTE प्रगति प्रतिवेदन 2023, जिला सामाजिक न्याय विभाग सतना, आर्थिक सर्वेक्षण म.प्र. 2022-23।

सारणी 5 के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि शासकीय योजनाओं के प्रभाव से साक्षरता दर में 38.2 से बढ़कर 54.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाथ से मैला ढोने की प्रथा में 68.4 प्रतिशत से घटकर 12.1 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। पक्के मकान की उपलब्धता 22.5 से बढ़कर 61.3 प्रतिशत हो गई है। औसत मासिक आय 4,200 से बढ़कर 8,650 रुपये हो गई है। इन सकारात्मक संकेतकों के बावजूद अभी भी 12.1 प्रतिशत परिवार हाथ से मैला ढोने की प्रथा से मुक्त नहीं हो पाये हैं।

7. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र के विश्लेषण से निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त होते हैं। वर्तमान सतना जिले – जो अब मैहर जिले से भौगोलिक रूप से पृथक् है – का वाल्मीकि समाज आज भी बहुआयामी वंचना का शिकार है। NAMASTE योजना, PM आवास योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं ने इस वर्ग की स्थिति में कुछ सुधार अवश्य किया है। मैहर जिले के पृथक् होने के पश्चात् यह उचित अवसर है कि शेष सतना जिले की वाल्मीकि जनसंख्या के लिए नई एवं अद्यतन कार्ययोजनाएँ तैयार की जाएँ। जब तक समाज में जाति आधारित पूर्वाग्रहों का उन्मूलन नहीं होगा, तब तक केवल आर्थिक योजनाएँ इस समुदाय का समग्र विकास सुनिश्चित नहीं कर सकतीं।

8. सुझाव

प्रस्तुत शोध के निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किये जा रहे हैं।

प्रथम, मैहर जिले के पृथक् होने के पश्चात् वर्तमान सतना जिले के वाल्मीकि परिवारों का नया सर्वे एवं डेटाबेस तैयार किया जाये ताकि योजनाओं की पहुँच सटीक एवं अद्यतन हो।

द्वितीय, योजनाओं की जागरूकता में वृद्धि की जानी चाहिए। ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी एवं मोबाइल संचार के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाये जाने चाहिए।

तृतीय, हाथ से मैला ढोने की प्रथा का पूर्ण उन्मूलन किया जाना चाहिए। NAMASTE योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जाये, सीवर सफाई को पूर्णतः मशीनीकृत किया जाये तथा उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाये।

चतुर्थ, शिक्षा के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है। वाल्मीकि समुदाय के बच्चों के लिए विशेष छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय एवं कोचिंग सुविधाएँ उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

पंचम, स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। सभी सफाई कामगारों को अनिवार्य रूप से सुरक्षात्मक उपकरण उपलब्ध कराये जाएँ तथा कार्यस्थल स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की जाये।

षष्ठ, वैकल्पिक आजीविका के अवसर सुलभ कराये जाने चाहिए। MUDRA ऋण एवं PMEGP योजनाओं के माध्यम से इन्हें स्वरोजगार के अवसर दिये जाएँ।

संदर्भ सूची

1. आम्बेडकर, बी.आर. (1936). जाति का विनाश. मुम्बई : गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र।
2. राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (2020). वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20. नई दिल्ली : भारत सरकार।
3. भारत सरकार (2022). NAMASTE योजना के दिशा-निर्देश. आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय।
4. जनगणना 2011. अनुसूचित जातियों की जनसंख्या तालिकाएँ, मध्यप्रदेश. भारत के महापंजीयक।
5. Thorat, S. & Senapati, C. (2007). Reservation Policy in India : Dimensions and Issues. New Delhi : IIDS.
6. मध्यप्रदेश शासन (2023). आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23. भोपाल : वित्त विभाग।
7. मध्यप्रदेश शासन राजपत्र (2023). मैहर जिला गठन अधिसूचना. भोपाल : म.प्र. सामान्य प्रशासन विभाग।
8. जिला सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग, सतना (2023). वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2022-23।
9. Guru, G. (2009). Humiliation : Claims and Context. New Delhi : Oxford University Press.
10. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2019). Drinking Water, Sanitation, Hygiene and Housing Condition, 76th Round. नई दिल्ली।
11. नगर पालिका परिषद सतना (2023). स्वच्छता कर्मी पंजिका एवं वेतन विवरण 2022-23. सतना।
12. मध्यप्रदेश शासन (2020). मध्यप्रदेश सफाई कर्मी कल्याण योजना नियम 2020. भोपाल।
13. जिला सांख्यिकी पुस्तिका, सतना (2022-23). जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय, सतना।